

नेपाल में बिकने से बची सरगुजा की बेटी, परिवार में लौटी खुशियां

अंबिकापुरा। मैनपाट के एक गांव से अगवा हुई स्कूली छात्रा नेपाल में बिकने से बच गई। सरगुजा एसपी सदानन्द कुमार की पहल पर छात्रा को नेपाल के भरतपुर से सकुशल बरामद कर लिया गया है। नेपाल के भरतपुर के एसपी गोविंद थापा, सरगुजा एसपी के बैचेमेट रहे हैं। जैसे ही सरगुजा एसपी ने नेपाल के भरतपुर एसपी से संपर्क स्थापित किया वैसे ही वहां की पुलिस सक्रिय होकर खोजबीन में जुट गई।

### आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद के लिए 7 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़। एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एवं मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए 7 अगस्त 2018 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। इच्छुक महिला आवेदिका नियत तिथि तक एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ ग्रामीण में सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से भेज सकते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बेलरिया में कार्यकर्ता के एक पद, कोसाबाड़ी में मिनी कार्यकर्ता तथा उर्दना, पतरापाली पश्चिम 2, बेलरिया एवं उर्दना पुलिस लाइन में सहायिका के एक-एक पद रिकॉर्ड है। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु 12 वीं अथवा पूर्ववर्ती 11 वीं बोर्ड उत्तर्ण, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु 12 वीं अथवा 11 वीं बोर्ड उत्तर्ण एवं आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु 8 वीं उत्तर्ण होना जरूरी है। इस सम्बंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

### रेलकर्मी को टीटीई ने नहीं दिया बर्थ, मामला पहुंचा रेल पुलिस के पास

रायगढ़। बर्थ होने के बाद भी टीटीई ने रेल कर्मी को बर्थ देने से इनकार के बाद झूठे प्रकरण में फँसाने की धमकी से क्षुब्ध रेलकर्मी ने रायगढ़ आरपीएफ पुलिस को शिकायत देते हुए कार्रवाई की मांग किया है। इस घटना के बाद पूर्व की तरह एक बार फिर से टीटीई एवं रेलकर्मी के मध्य टकराव हो गई। इस सम्बंध में मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रेलकर्मी खुश रंजन ने आवेदन के माध्यम से बताया की रिकॉर्ड होने के बाद हावड़ा मुंबई मेल के कोच नम्बर 42 में टीटीई तरुण कुमार दास को अपना डग्टी पास दिखाते हुए बर्थ की मांग की। जिस पर पास को उत्पुक्त नहीं मानते हुए आरपीएफ पुलिस के एसएसआई से कोच से बाहर कियाने का आदेश दिया। वही बर्थ नंबर 22 उस समय खाली था इसके अलावा बर्थ नंबर 41 को पैसे देकर आबंटन किया गया। इन सभी घटना के बाद सुरक्षा अधिकारी ने उसे अपने बर्थ में उसे स्थान दिया। शिकायत पत्र में रेल कर्मी ने टीटीई द्वारा चोरी के प्रकरण में फँसा देने की बात कही है। इस घटना क्रम की खबर मिलने के बाद रेलकर्मी में आक्रांति है।

पूर्व में भी सीट नहीं दिए जाने पर हो चुकी है मारपीट गोरतलब है कि चार माह पूर्व भी इस तरह की घटना घटित हो चुकी है। जिसको लेकर विवाद में रेलकर्मी व टीटीई साथ बिहार एक्सप्रेस में आपस में भिड़ने की वारदात समझे आ चुकी है। उक्त विवाद में भी टीटीई द्वारा सीट उपलब्ध नहीं कराया गया। इस तरह से देखा जाए तो टीटीई एवं रेलकर्मी के मध्य यह विवाद आगे भी होने की सम्भवता बना हुआ है।

### केंद्र सरकार की राशी से चमकेंगी रायगढ़ की आठ सड़कें

रायगढ़। शहर भीतर के 25 सड़कों का कायाकल्प के लिए शासन की ओर से 75 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

इस राशी से सड़कों का काम जारी है। इसके साथ ही शहर के ऐसे 8 सड़क हैं। जिन्हें कन्द्र की राशी से चमकाने की कवायद की जा रही है।

दरअसल नगर निगम द्वारा यूआईडीएसएसएमटी योजना के तहत शहर के 8 सड़कों का निर्माण करने के लिए करीब 92 करोड़ रुपए का प्रस्ताव तैयार कर केन्द्र सरकार को भेजा गया है। इस राशी से शहर के उर्दना चौक से सर्किंट हाऊस, बड़े रामपुर से गोबर्नन्पुर व इंदिरा बिहार, बोर्डरदार चौक से शालिनी स्कूल, विजयपुर से महर्षि स्कूल होते हुए पेट्रोल पंप सहित अन्य सड़कों का निर्माण किया जाएगा। बताया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा इस प्रस्ताव को अगले साल तक स्वीकृति दे दी जाएगी। इसके लिए नगर निगम का प्रतिनिधि केन्द्र के इस विभाग में स्वीकृति लेने के लिए मौजूद है।

### बढ़ गई कीमत

शिहर भीतर के 25 सड़कों का जिर्णोद्धार करने के लिए 5 साल पूर्व प्रस्ताव तैयार किया गया था। हालांकि विवाद के कारण इस प्रस्ताव को मंजूरी

नहीं मिली थी। 2 साल पहले मंजूरी मिलने के बाद इन सड़कों का काम चालू है।

5 साल पहले बनाए गए स्टीमेट से वर्तमान में तीन गुनी कीमत बढ़ गई है।

इसके चलते पूर्व में 25 सड़कों के निर्माण के लिए जहां केवल 75 करोड़ मिले थे।

वहां अब केवल 9 सड़क के लिए 92 करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

## खबरें खास

# अब सरकारी कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार के मामले दरिखिल करना होगा कर्तिन

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में ध्वनिमत से पारित हुए भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) विधेयक-2008 बिल को राज्य सभा में भी पारित कर दिया गया। इस विधेयक की सबसे अहम बात, सरकारी कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार का मामला शुरू करने से पहले लोकपाल और राज्य के लोकायुक्त की अनुमति लेना

अनिवार्य है। साथ ही रिक्षत लेने ही नहीं देने वाले पर भी कानूनी कार्रवाई की जाने का प्रबन्धन है। इसके तहत अब रिक्षत देने वालों को सात साल तक की सजा हो सकती है। इस विधेयक की खास बात यह भी है कि संशोधन बिल के तहत भ्रष्टाचार से भी मंजूरी मिल गई है। इस विधेयक के मुताबिक रिक्षत देने वाले को सात साल जेल या जुमानज़ या जुड़े मामलों को दो साल के अंदर ही निपटान होगा। अब रिक्षत लेने ही का साथ वाले को भी सजा मिलेगी। राज्यसभा में पास हो चुके भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) विधेयक-2008 बिल को लोकसभा से भी मंजूरी मिल गई है। इस विधेयक के मुताबिक रिक्षत देने वाले को सात साल जेल या जुमानज़ या जुड़े मामलों को दो साल के अंदर ही निपटान होगा। बाले के लिए कम से कम तीन साल और ज्यादा से ज्यादा सात साल की सजा का प्रावधान किया गया है। लोकसभा में ध्वनिमत से पारित हुए भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) विधेयक-2008 बिल को पारित कर भ्रष्टाचार का मामला शुरू करने से पहले लोकपाल और राज्य के लोकायुक्त की अनुमति लेना ही निपटान होगा। बताया जाता है कि

वाले के साथ वाले को भी सजा मिलेगी। राज्यसभा में पास हो चुके भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) विधेयक-2008 बिल को लोकसभा से भी मंजूरी मिल गई है। इस विधेयक के मुताबिक रिक्षत देने वाले को सात साल जेल या जुमानज़ या जुड़े मामलों को दो साल के अंदर ही निपटान होगा। बाले के लिए कम से कम तीन साल और ज्यादा से ज्यादा सात साल की सजा का प्रावधान किया गया है। लोकसभा में ध्वनिमत से पारित हुए भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) विधेयक-2008 बिल को पारित कर भ्रष्टाचार का मामला शुरू करने से पहले लोकपाल और राज्य के लोकायुक्त की अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है।



## पोर्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा

# मंडावली में भूख से तीन सगी बहनों की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्वी दिल्ली के मंडावली में बुधवार को बच्चों की वजह से दुर्घटना होने की खबर प्रसिद्ध हो रही है। पैटेलों ने बताया है कि इन बच्चों के पेट में एक दाना भी नहीं था और उन्हें काफी समय से पौष्टिक खाना नहीं मिला था, जिससे वे काफी कमज़ोर हो गई थीं। मंडावली के बच्चों के पेट में एक दाना भी नहीं था और उन्हें काफी समय से पौष्टिक खाना नहीं मिला था, जिससे वे काफी कमज़ोर हो गई थीं। मंडावली के बच्चों के पेट में एक दाना भी नहीं था और उन्हें काफी समय से पौष्टिक खाना नहीं मिला था, जिससे वे काफी कमज़ोर हो गई थीं।

मानसिक तौर पर कमज़ोर होने की वजह से कुछ साफ जानकारी नहीं देनी चाहिए। बुधवार को डॉक्टरों के पैनल से दोबारा पोर्टमॉर्टम कराया गया था। मंडावली के डॉक्टरों ने बताया है कि इन बच्चों के पेट में एक दाना भी नहीं था और उन्हें काफी समय से पौष्टिक खाना नहीं मिला था, जिससे वे काफी कमज़ोर हो गई थीं। मंडावली के बच्चों के पेट में एक दाना भी नहीं था और उन्हें काफी समय से पौष्टिक खाना नहीं मिला था, जिससे वे काफी कमज़ोर हो गई थीं। मंडावली के बच्चों के पेट में एक दाना भी नहीं था और उन्हें काफी समय से पौष्टिक खाना नहीं मिला था, जिससे वे काफी कमज़ोर हो गई थीं।

पहले पोर्टमॉर्टम की रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि बच्चों ने कई दिन से कुछ भी नहीं खाया था, ऐसे में डॉक्टरों ने उनकी मौत भूख से होने की आशंका जाहिर की है। पेड़िकल बोर्ड ने जहर, चोट या हत्या जैसी आशंका को अभी खारिज किया है। पैनल के पोर्टमॉर्टम की रिपोर्ट दो-तीन दिन में आएगी। विसरा भी जांच के लिए लैब में भेजा जा रहा है।

## हार्दिक पटेल दोषी करार, दो साल की सजा

अहमदबाद (आरएनएस)। गुजरात के पाटीदार अनामत